DR. L. Hanumanthaiah

there is a friction; the friction is between customers and the banking staff. This has created a lot of problems not only in Karnataka but also in all other parts of the country. So, I request the hon. Finance Minister in this. The earlier Chief Minister of Karnataka had also written a letter to the Government of India requesting a change in this and seeing to it that the earlier Regional Recruitment Boards are brought back and recruitment is done in the earlier fashion. Earlier, when Regional Recruitment Boards were there, the local language was considered compulsory and the recruitment was done. Because of the centralised system, the local languages of all the States are neglected. This has created unrest among the people in the country, particularly to those who have studied in the local languages. They are not getting even a clerical job in their own States, even in rural banks! That is the problem. I request the Government to change the direction of the recruitment and issue a new directive to all the States and bring back the Regional Recruitment Boards again. Thank you very much, Sir.

SHRI R.S. BHARATHI (Tamil Nadu): Sir, I associate myself with Zero Hour Mention made by the hon. Member.

SHRI K.C. RAMAMURTHY (Karnataka): Sir, I also associate myself with Zero Hour Mention made by the hon. Member.

SHRI RITABRATA BANERJEE (West Bengal): Sir, I also associate myself with Zero Hour Mention made by the hon. Member.

MR. CHAIRMAN: This is an important issue and it has to be studied. Now, Shri B. Lingaiah Yadav; he is not present. Shri Motilal Vora.

Trafficking in women and children in the country

श्री मोती लाल वोरा (छत्तीसगढ़): माननीय सभापति महोदय, देश के विभिन्न भागों से, विशेष कर आदिवासी लड़कियों को दिल्ली में रोज़गार दिलाये जाने की बात कह कर लाया जा रहा है। ये लोग, जो दलाल के रूप में कार्य कर रहे हैं, प्लेसमेंट एजेंसीज़ के सम्पर्क में रहते हैं और दिल्ली में लाकर उन लड़कियों को प्लेसमेंट एजेंसीज़ को 40-50 हजार रुपए में बेच देते हैं। दिल्ली पुलिस द्वारा छुड़ायी गई लड़कियों में अधिकांश झारखंड, बंगाल, ओडिशा और असम के पिछड़े एवं साधनहीन इलाकों से थीं तथा उनमें से कुछ को तो अपना पता तक मालूम नहीं था। देश में सबसे तेज़ी से फल-फूल रहे संगठित अपराधों में मानव तस्करी प्रमुख है। क्राइम इंडिया रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2016 में 15,379 मानव तस्करी की गई और 23,117 पीड़ितों को छुड़ाया गया। वर्ष 2016 में ही 1,11,569 बच्चे गुम हुए, जिनकी या तो तस्करी की गई अथवा अपहरण किया गया।

नेपाल से भी भारत के रास्ते मानव तस्करी का धंधा तेजी से बढ़ रहा है। इसके कारणों की तह तक जाना सरकार का दायित्व है ताकि इस घिनौने कार्य को रोका जा सके और अपराधियों को सजा भी मिल सके।

मेरा सरकार से अनुरोध है कि इस प्रकार के धिनौने कार्यों में लिप्त लोगों को शीघ्र और सख्त सज़ा दिलाने की व्यवस्था करे। साथ ही उन मासूम लड़कियों को, जो व्यवसाय करने में अक्षम हैं, सरकार की ओर से किसी प्रकार के रोजगार दिलाने या आर्थिक सहायता प्रदान करने की भी व्यवस्था की जाए।

श्री सभापतिः माननीय सदस्यगण, वोरा जी को देख लीजिए। इस उम्र में भी अपने अनुभव को जोड़कर, विषय का गम्भीरता से अध्ययन करके, किस तरह से सदन में उठाते हैं, सरकार के ध्यान में लाते हैं और बोलते समय भी शालीनता दिखाते हैं। मैं चाहता हूं कि नए माननीय सदस्यों को अपने सीनियर मैम्बर्स से थोड़ा सीखना चाहिए।

श्रीमती छाया वर्मा (छत्तीसगढ़)ः महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

श्रीमती विप्लव ठाकुर (हिमाचल प्रदेश)ः महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

श्री सन्तियुस कुजूर (असम)ः महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री आनन्द शर्मा (हिमाचल प्रदेश)ः महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री हुसैन दलवई (महाराष्ट्र)ः महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

SHRI K.G. KENYE (Nagaland): Sir, I also associate myself with the matter raised by the hon. Member.

विपक्ष के नेता (श्री गुलाम नबी आज़ाद)ः महोदय, माननीय वोरा जी ने जो विषय सदन में उठाया है, वह बहुत सीरियस है और मैं भी उनके द्वारा उठाए गए विषय से अपने आप को सम्बद्ध करता हूं।

† **قائد حزب اختلاف (جناب غلام نبی آزاد)** : مہودے، مانئے وورا جی نے جو موضوع سدن میں اٹھایا ہے، وہ بہت سیریس ہے اور میں بھی ان کے ذریعے اٹھائے گئے موضوع سے اپنے آپ کو سمبدھ کرتا ہوں۔

कुछ माननीय सदस्यः महोदय, हम भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करते हैं।

Selling of goods at more than MRP at airports and other places

श्री राम विचार नेताम (छत्तीसगढ़)ः सभापति महोदय, मैं सदन का ध्यान एक बहुत महत्वपूर्ण विषय की ओर दिलाना चाहता हूं। पूरे देश में जितने हवाई अड्डे हैं, सभी में खासकर चाय, कॉफी और

†Transliteration in Urdu script.